

प्रारूप-35

परियोजना का नाम- जनपद बागेश्वर के विकासखण्ड कपकोट में कपकोट पिण्डारी ग्लेसियर मोटर रोड से काफली कमेडा मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 6.287 हे० सिविल / वन पंचायत भूमि का ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव। लम्बाई 11.250 किमी०।

Task Force Certificate

- (i) Lay out of the Land-be followed as far as possible.
- (ii) Heavy cutting/filling be avoided-as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted. Steep hill slopes also to be avoided.
- (iii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical engineers and geologists to be taken during the survey for alignment.
- (iv) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred.

Apart from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads Broadly the measures to be taken have been identified as :-

- (i) Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided Box cutting is to be avoided to the extent possible.
- (ii) Blasting by explosives is to be restricted to the minimum. Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping in view the line of least resistance and the existence of joints Controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in road. Use of delay detonators in large scale basting work is to be made for anaoline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process.
- (iii) All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI like simple vegetative turning, bitumen muck treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made.
- (iv) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culverts, breast walls, retaining walls are to be provided for purpose of establishing the slips Growth vegetative cover is to be stimulated in the disturbed hill slopes above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants. In
- (v) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guidelines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tackling land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and others engaged in construction of hill roads. These should be observed.

प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स द्वारा प्रदत्त उक्त संस्तुतियाँ का परियोजना के निर्माण के दौरान अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

कनिष्ठ अभियन्ता

सहायक अभियन्ता

इशिता अग्रवाल अभियन्ता

अभिषेक अग्रवाल अभियन्ता
पी० आई० यू० II, कपकोट

बागेश्वर

प्रारूप-36

परियोजना का नाम- जनपद बागेश्वर के विकासखण्ड कपकोट में कपकोट पिण्डारी ग्लेसियर मोटर रोड से काफली कमेडा मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 6.287 हे० सिविल / वन पंचायत भूमि का ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव। लम्बाई 11.250 किमी०।

मानक शर्तों का मान्य होने का प्रमाण-पत्र

मानक शर्तें

1. वन भूमि हस्तान्तरण के बाद भी उसकी वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं होगा और वह पूर्व की भाँति रक्षित या आरक्षित वन भूमि बनी रहेगी।
2. प्रश्नगत भूमि का उपयोग केवल कथित प्रयोजन हेतु ही किया जायेगा व अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा।
3. प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा प्रस्तावित भूमि अथवा उसके किसी भी भाग को किसी अन्य विभाग, संस्था अथवा व्यक्ति विशेष को हस्तान्तरित नहीं किया जायेगा।
4. वन भूमि का संयुक्त निरीक्षण करके सुनिश्चित कर लिया गया है कि आवेदित भूमि न्यूनतम है तथा इसके अतिरिक्त कोई अन्य वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है।
5. प्रयोक्ता एजेन्सी, उसके कर्मचारी, अधिकारी अथवा ठेकेदार वन भूमि को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुँचायेगे और ऐसा किये जाने पर सम्बन्धित वनाधिकारी द्वारा निर्धारित प्रतिकर का भुगतान प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा किया जायेगा। इस हेतु प्रयोक्ता एजेन्सी सहमत है।
6. परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित भूमि का सीमांकन प्रयोक्ता एजेन्सी के व्यय से सम्बन्धित वनाधिकारी की देख-रेख में किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में बनाये गये मुनारों का रख-रखाव किया जायेगा।
7. हस्तान्तरित वन भूमि पर वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों को निरीक्षण हेतु जाने पर प्रयोक्ता एजेन्सी को कोई आपत्ति नहीं होगी।
8. बहुमूल्य वन सम्पदा से आच्छादित एवं वन जन्तुओं से भरपूर वन क्षेत्रों का हस्तान्तरण यथासम्भव प्रस्तावित न किया जाय। केवल अपरिहार्य कारणों से ही ऐसा किया जाना सम्भव होगा, परन्तु प्रतिबन्ध यह होगा कि वन सम्पदा की क्षतिपूर्ति एवं वन्य जन्तुओं के स्वच्छन्द विचरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही भूमि हस्तान्तरित की जायेगी।
9. सिंचाई विभाग/जल निगम द्वारा वन विभाग की नर्सरीयों को एवं वन विभाग के कर्मचारियों की निःशुल्क जल की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।
10. प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा हस्तान्तरित वन भूमि का उपयोग अन्य प्रयोजन हेतु करने अथवा अन्य विभाग संस्था या व्यक्ति विशेष को हस्तान्तरित करने पर वन भूमि स्वतः किसी प्रतिकर के भुगतान किये बिना वन विभाग को वापस हो जायेगी। वन भूमि की आवश्यकता प्रयोक्ता एजेन्सी न होने पर हस्तान्तरित भूमि तथा उस पर निर्मित भवन आदि स्वतः बिना किसी प्रतिकर भुगतान के वन विभाग को प्राप्त हो जायेगी।
11. सड़क निर्माण के प्रस्तावों पर संरक्षण तय करते समय स्थानीय स्तर पर वन विभाग का परामर्श लो०नि०वि० द्वारा प्राप्त किया जायेगा तथा इस सम्बन्ध में मुख्य अभियन्ता, लो०नि०वि० को सम्बोधित पत्र संख्या 608 सी० दिनांक 10-2-82 में निहित आदेशों का पालन भी लो०नि०वि० द्वारा किया जायेगा। वन भूमि पर अश्वमार्ग बनाना अथवा वन मार्गों का सुदृढीकरण/चौड़ीकरण कार्य करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की स्वीकृति प्राप्त की जानी अनिवार्य है।
12. प्रयोक्ता एजेन्सी के द्वारा वन भूमि का मूल्य सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा वर्तमान बाजार दर के अनुसार राज्य सरकार के पक्ष में जमा कराया जायेगा।
13. वन भूमि पर खड़े वृक्षों का निस्तारण वन विभाग, उत्तराखण्ड वन विकास निगम द्वारा किया जायेगा।

14. हस्तान्तरित भूमि पर पड़ने वाले वृक्षों के प्रतिकार में प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा हस्तान्तरित भूमि के समतुल्य वृक्षारोपण का भुगतान अथवा समतुल्य गैर वानिकी भूमि उपलब्ध न होने पर प्रस्तावित भूमि के दुगुने गैर वानिकी क्षेत्रफल में वृक्षारोपण तथा 3 वर्ष तक परिपोषण व्यय जो भी वन विभाग द्वारा तय किया जाय का भुगतान प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा वन विभाग किया जायेगा। 1000 मीटर एवं 30 डिग्री से अधिक ढाल पर खड़े वृक्षों का

पातन भी निषिद्ध है, इसी प्रकार बांज के पेड़ों पर पातन भी वर्जित है। ऐसे वृक्षों के पातन का निरीक्षण सम्बन्धित वन संरक्षक स्तर पर ही होगा।

15. वन भूमि पर प्रस्तावित विद्युत पारेषण लाईन के कोरिडोर के नीचे यथासम्भव पेड़ों का पातन नहीं किया जायेगा व पारेषण लाईन के खम्भों को ऊँचा कर अधिक से अधिक संख्या में पेड़ों को बचाया जायेगा। यदि फिर भी पेड़ों का पातन अनिवार्य प्रतीत होता है तो न्यूनतम पेड़ों की संख्या संयुक्त स्थल निरीक्षण करके सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा निश्चित की जायेगी।

16. यदि नहर आदि निर्माण में भू-संरक्षण की सम्भावना होती है और नहर की दोनों पट्टीयों को पक्का करना आवश्यक समझा जाता है, तो प्रयोक्ता एजेन्सी उक्त कार्य को स्वयं के व्यय से करायेगा।

17. उपरोक्त मानक शर्तों के अतिरिक्त यदि भारत सरकार अथवा वन विभाग द्वारा किसी विशिष्ट प्रकरण में कोई अन्य शर्तें लगाई जाती हैं, तो प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा उसका पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

18. वन भूमि का वास्तविक हस्तान्तरण तभी किया जाय, जब उक्त शर्तों का पूरा अनुपालन प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा किया गया हो अथवा सक्षम स्तर से आश्वासन प्राप्त हो जाय।

प्रमाणित किया जाता है कि वन विभाग उत्तराखण्ड शासन तथा भारत सरकार द्वारा लगाई गई शर्तें प्रयोक्ता एजेन्सी को मान्य हैं।

कनिष्ठ अभियन्ता

सहायक अभियन्ता

सहायक अभियन्ता
पी० एम० जी० एस० काई०
पी० एम० जी० एस० काई०
बागेश्वर

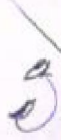
प्रारूप-37

परियोजना का नाम- जनपद बागेश्वर के विकासखण्ड कपकोट में कपकोट पिण्डारी ग्लेसियर मोटर रोड से काफली कमेडा मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 6.287 हे० सिविल / वन पंचायत भूमि का ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव। लम्बाई 11.250 किमी०।

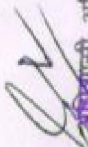
धार्मिक / पौराणिक / ऐतिहासिक महत्व के स्थल न होने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदित वन भूमि में किसी प्रकार का ऐतिहासिक स्थल, धार्मिक स्थल, स्मारक, मन्दिर, मस्जिद, शमशान घाट, कब्रिस्तान आदि स्थित नहीं है तथा उक्त वन भूमि सार्वजनिक उपयोग की नहीं है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त वन भूमि अन्य प्रयोजन हेतु किसी को आवंटित नहीं की गई है।


कनिष्ठ अभियन्ता


सहायक अभियन्ता


अश्विनी अश्विनी
एम्डो जी० एस० डी०
अभिजाति कृषि, कपकोट
बागेश्वर


अश्विनी अश्विनी
एम्डो जी० एस० डी०
अभिजाति कृषि, कपकोट
बागेश्वर

प्रारूप-38

परियोजना का नाम- जनपद बागेश्वर के विकासखण्ड कपकोट में कपकोट पिण्डारी ग्लेसियर मोटर रोड से काफली कमेडा मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 6.287 हे० सविल / वन पंचायत भूमि का ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव। लम्बाई 11.250 किमी०।

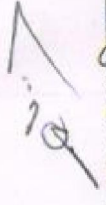
वन्य जीव / वनस्पतियों को क्षति न पहुँचाये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना के निर्माण कार्य / रख-रखाव के दौरान वन्य जीवों / स्थानीय वनस्पतियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जायेगा।

कनिष्ठ अभियन्ता



सहायक अभियन्ता



अधिरक्षी अभियन्ता
प.अ.शिवाली० अभियन्ता
पी० आइ० यू० II, कपकोट
बागेश्वर



प्रारूप-39

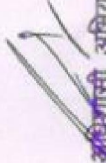
परियोजना का नाम- जनपद बागेश्वर के विकासखण्ड कपकोट में कपकोट पिण्डारी ग्लेसियर मोटर रोड से काफली कमेडा मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 6.287 हे० सविल / वन पंचायत भूमि का ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव। लम्बाई 11.250 किमी०।

परियोजना में कार्यरत श्रमिकों को मिट्टी का तेल/रसोई गैस उपलब्ध कराये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना निर्माण कार्य के दौरान निर्माण कार्य में कार्यरत श्रमिकों/कर्मचारियों को प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा मिट्टी का तेल/रसोई गैस उपलब्ध करायी जायेगी।


कनिष्ठ अभियन्ता


सहायक अभियन्ता


अ.दि. शास्त्री अभियन्ता
पी० एम्० जी० एस० वाई०
पी० आई० यू० II, कपकोट
अधिशिक्षित अभियन्ता

प्रारूप-44 40

परियोजना का नाम- जनपद बागेश्वर के विकासखण्ड कपकोट में कपकोट पिण्डारी ग्लेसियर मोटर रोड से काफली कमेडा मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 6.287 हे० सिविल / वन पंचायत भूमि का ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव। लम्बाई 11.250 किमी०।

लाभान्वित होने वाले ग्रामों/परिवारों/जनसंख्या के सम्बन्ध में प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रश्नगत परियोजना के निर्माण से निम्नलिखित स्थानीय ग्रामों/परिवारों/जनसंख्या को लाभ प्राप्त होगा।

क्र०सं०	ग्राम का नाम	परिवारों की संख्या	जनसंख्या
1	काफली कमेडा	250	1150

कनिष्ठ अभियन्ता

सहायक अभियन्ता

अधिराज्यी अधिकारिता
क्र० एम० जी० एस० दा००
क्र० एम० जी० एस० दा००
आधिराज्यी अभियन्ता

प्रारूप-41

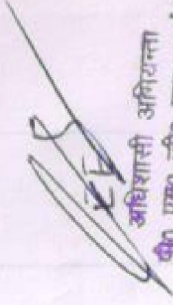
परियोजना का नाम- जनपद बागेश्वर के विकासखण्ड कपकोट में कपकोट पिण्डारी ग्लेसियर मोटर रोड से काफली कमेडा मोटर मार्ग का निर्माण हेतु 6.287 हे० सिविल / वन पंचायत भूमि का ग्राम्य विकास विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव। लम्बाई 11.250 किमी०।

वन भूमि के मूल्य/वार्षिक लीज रेंट का प्रमाण-पत्र

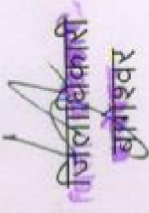
प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित वन भूमि का वर्तमान बाजार दर से मूल्य रुपये..... प्रति हे० है तथा उक्त प्रयोजन हेतु..... हे० वन भूमि का कुल प्रीमियम (मूल्य) रुपये..... होता है। उक्त वन भूमि का वार्षिक लीज रेंट प्रीमियम (मूल्य) का..... प्रतिशत की दर से रुपये..... प्रतिवर्ष होता है।

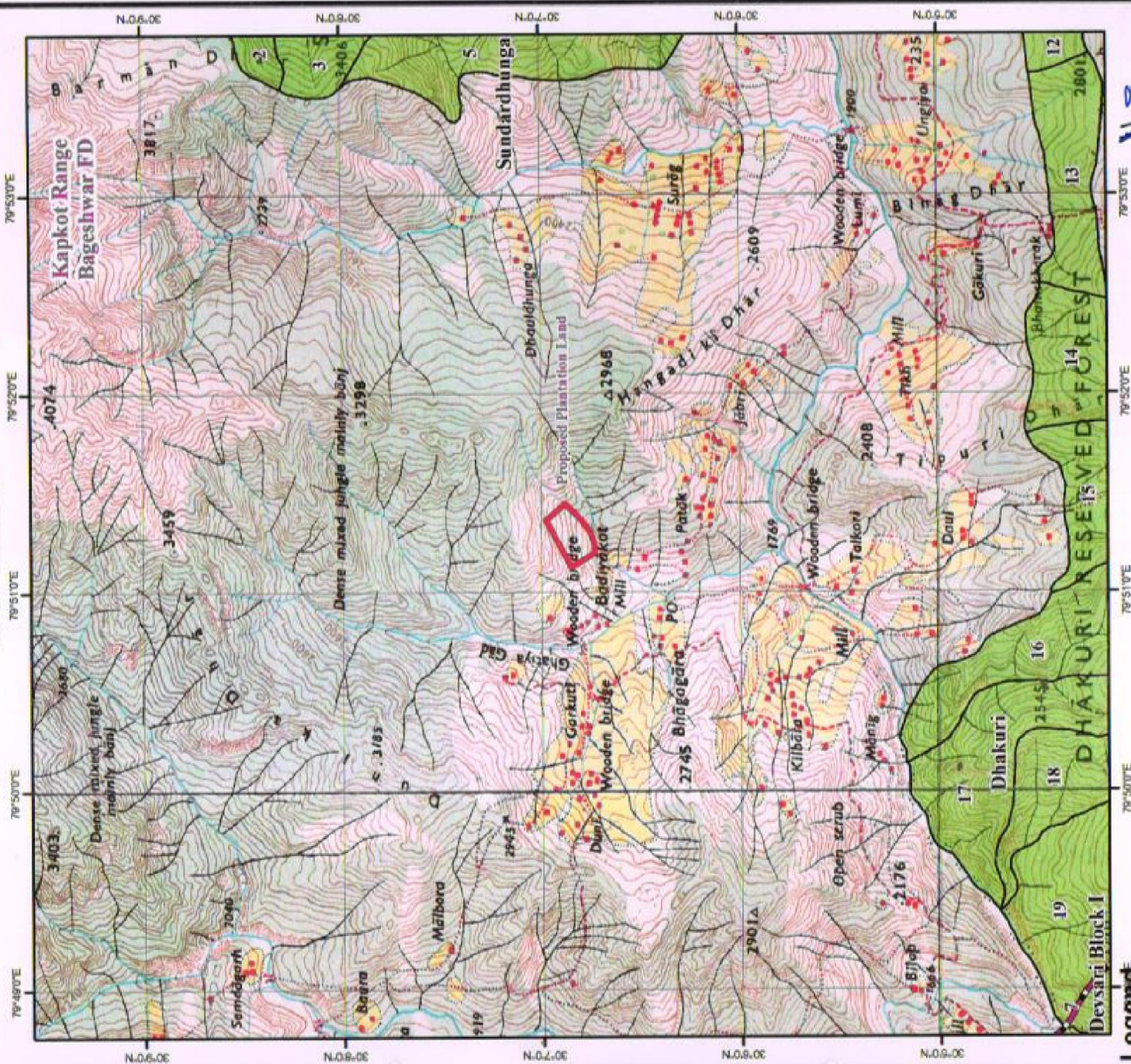


सहायक अभियन्ता
पी० एम० जी० एस० वाई०
पी० आर्क० यू० II, कपकोट
बागेश्वर



अधिशाली अभियन्ता
पी० एम० जी० एस० वाई०
पी० आर्क० यू० II, कपकोट
बागेश्वर


जिलाधिकारी
बागेश्वर



Legend

-
- Proposed Plantation Boundary
Forest Range Boundary
Forest Division Boundary
Reserve Forest
Reserve Forest Boundary

Proposed Plantation Badiyakot Civil Soyam Land 12.574 ha

Forest Range Boundary

Forest Division Boundary

Reserve Forest.

Reserve Forest Boundary

अविश्वसी अभियन्ता
१० एम० जी० एस० वाई०
१० आई० यू० II, कपकोट
बागेश्वर

प्रभागीय वनधिकारी
छायेखर वन प्रभाग, बागपूर

सिला अधिकार
हादिकार.